शोक संदेश

## लॉरेन कनिंघम, यूथ विद ए मिशन (YWAM) के संस्थापक 88 वर्ष की आयु में 06.10.2023 को स्वर्ग में यीशु के पास चले गये।

लॉरेन इतिहास में पहले व्यक्ति थे जिन्होंने मसीह के लिए और महान आज्ञा को पूरा करने के लिए पृथ्वी पर प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र, सभी आश्रित देशों और 100 से अधिक क्षेत्रों और द्वीपों की यात्रा की (मरकुस 16:15)। अब उसने अपने घिसे-पिटे पासपोर्ट में एक और "मोहर " लगा दी : स्वर्ग!

लॉरेन को अक्सर "मिशनों का डी-रेगुलेटर"( जो मिशन का नियन्त्रक ) कहा जाता है क्योंकि उन्होंने युवाओं के लिए अल्पकालिक, अंतर-सांप्रदायिक, विश्व स्तर पर और बिना वेतन के सेवा के अवसर पैदा करके 1960 के दशक में सेवकाइयों के प्रतिमान को तोड़ दिया। इस दूरदर्शिता ने द्वार खोल दिए ताकि लाखों लोग हर जगह से आ सकें और दुनिया भर में सेवकों  के रूप में परमेश्वर  की सच्चाई का प्रचार करने और उनके प्यार को प्रदर्शित करने के लिए जा सकें।

जिस सेवकाई  की उन्होंने स्थापना की, यूथ विद ए मिशन, और लगातार बढ़ते वैश्विक मिशन आंदोलन का जन्म 1960 में हुआ, पृथ्वी पर हर देश में पहुँच गया है सुसमाचार प्रचार, प्रशिक्षण और दया की सेवकाई  के माध्यम से (YWAM.org)। हजारों की संख्या में पूरा समय स्टाफ़ ( फूल टाइम स्टाफ़ ) 200 से अधिक देशों और विभिन्न संप्रदाय और मसीही परंपराएँ, लगभग 200 देशों में 2,000 से अधिक YWAM स्थानों पर सेवारत हैं। लाखों लोगों ने YWAM कार्यक्रमों में छात्रों, थोड़े समय और लम्बे समय स्वयं सेवक के रूप में सेवा की है।

कई लोगों ने YWAM को दुनिया के सबसे बड़े मिशन आंदोलनों में से एक होने का श्रेय दिया है। लेकिन जब इस दावे को प्रस्तुत किया गया, तो लोरेन ने हमेशा यीशु को महिमा दी , "ठीक है, यह कितना भी बड़ा हो, यह पर्याप्त बड़ा नहीं है क्योंकि सुसमाचार के साथ पूरी दुनिया तक पहुंचने की यीशु की आखिरी आज्ञा अभी तक पूरी नहीं हुई है।" वह मसीह की देह में एकता के पुल बनाने के अपनी बुलाहट के लिए जाने जाते थे, साझेदारी में एक साथ सेवा करने वाले अन्य सेवकाइयों और कलिसियाओं  को पहचानने में हमेशा तत्पर रहते थे।

हास्य की अद्भुत भावना वाला एक विनम्र और ईश्वरीय व्यक्ति, लॉरेन मिलनसार थे और उन्होंने YWAM को विकेंद्रीकरत करने का बीड़ा उठाया, "जोई और जेन YWAMer, नेतृत्व पदानुक्रम नहीं। जब लोग उन्हें "डॉक्टर" या "आदरणीय" कह कर बुलाते थे, तो वे तुरंत कहते थे, "कृपया मुझे लोरेन कहकर बुलाएं।"

## लहरों का दर्शन

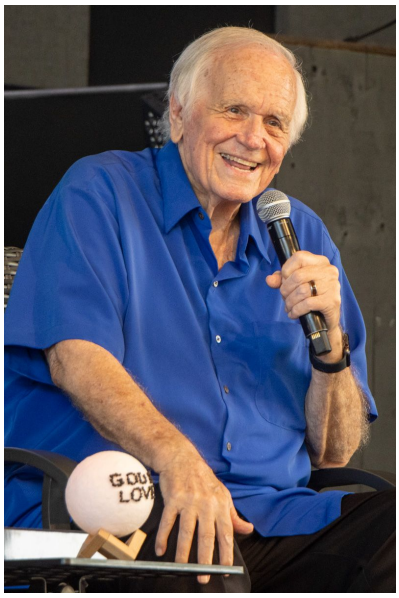

1948 में 13 साल की उम्र में ब्रश आर्बर की एक मसीही जागृति सभा के दौरान परमेश्वर की वेदी के समुख घुटने टेकते समय लोरेन को महान आज्ञा को पूरा करने के लिए बुलाहट मिली। परमेश्वर ने मरकुस 16:15 के माध्यम से उनसे बात की: "पूरी दुनिया में जाओ और हर प्राणी को सुसमाचार का प्रचार करो। "

इस व्यक्तिगत बुलाहट की पुष्टि एक दर्शन द्वारा हुई - एक मानसिक फिल्म - द्वारा की गई थी, जिसे उन्होंने 1956 में बहामास में सेवक बनने की तैयारी करते समय देखा था (YWAMValues.com)। वह एक सेवक के घर में रह रहा था, बिस्तर के पास घुटने टेककर, उस रात एक सभा में बोलने के लिए संदेश की तैयारी में प्रार्थना कर रहा था। वह कहते हैं, "अचानक, मैं दुनिया के नक्शे को देख रहा था, केवल नक्शा जीवंत और गतिशील था! मैं सभी महाद्वीपों को देख सकता था, और लहरें उनके तटों पर टकरा रही थीं। प्रत्येक लहर एक महाद्वीप पर जाती थी, फिर पीछे हटती थी, तब तक ऊपर उठती रही जब तक कि इसने महाद्वीप को पूरी तरह से ढक न लिया। लहरें जवान युवाओं में बदल गईं - मेरी उम्र के बच्चे और उससे भी कम उम्र के-उन्होंने दुनिया के सभी महाद्वीपों को पूरी तरह से ढक लिया। वे सड़क के किनारों और मधुशाला के बाहर लोगों से बात कर रहे थे। वे घर-घर जा रहे थे और सुसमाचार का प्रचार कर रहे थे। वे हर जगह से आये थे और लोगों की देखभाल करते हुए हर जगह गए। फिर, जैसे वह दृश्य अचानक आया था, वेसे ही वह दृश्य गायब हो गया।" (जेनिस रोजर्स, YWAM प्रकाशन के साथ लोरेन कनिंघम द्वारा 'इज़ दैट रियली यू, ओ गोड' का अंश।)

लॉरेन के नेतृत्व में शुरू की गई वैश्विक पहलों में किंग्स किड्स इंटरनेशनल, यूनिवर्सिटी ऑफ द नेशंस, वाई डब्ल्यू ए एम जहाज (वर्तमान में 28 जहाज सबसे अलग द्वीपों और तटीय क्षेत्रों में सेवा प्रदान करते हैं) और उनके द्वारा प्रेरित अगुवों ने असंख्य अन्य सेवकाइयों को जन्म दिया।

## क्रिस्चन मैग्ना कार्टा

1981 में लॉरेन द्वारा लिखित क्रिश्चियन मैग्ना कार्टा में उनके व्यक्तिगत लक्ष्य और YWAM के सामूहिक लक्ष्य दोनों शामिल थे जो सुसमाचार में निहित हैं:
पृथ्वी पर हर एक जन को अधिकार है:
1. यीशु मसीह के सुसमाचार को सुनें और समझें,
2. उसकी अपनी भाषा में बाइबल उपलब्ध हो,
3. मसीही संगति उपलब्ध हो ताकि नियमित रूप से हर सप्ताह बाइबल अध्यन और आराधना मसीह की देह के साथ मिलकर कर सकें,
4. उनके बच्चों के लिए मसीही शिक्षा उपलब्ध हो,
5. जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ हों: भोजन, पानी, कपड़े, आश्रय और स्वास्थ्य देखभाल,
6. आध्यात्मिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से संतुष्टि का उत्पादक जीवन जिएं।

## समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित करना

लॉरेन सह-संस्थापक भी थे (अपनी पत्नी डार्लिन और डॉ. हॉवर्ड माल्मस्टेड के साथ) यूनिवर्सिटी ऑफ द नेशंसन , वाई डब्ल्यू ए एम की एक वैश्विक सेवकाई (www.uofn.edu) जो बनाई गई है समाज के "सात क्षेत्रों" के आसपास जो हर समाज को प्रभावित करते हैं। 1975 में, परमेश्वर ने इन क्षेत्रों के बारे में एक साथ लोरेन और डॉक्टर बिल ब्राइट, कैम्पस क्रूसेड के संस्थापक को (दर्शन) अंतर्दृष्टि दी। (CRU)। यू ओफ एन की स्थापना 1978 में हुई थी 600 से अधिक पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए विकसित हुआ और सेमिनार (कुछ लगभग 100 भाषाओं में) 160 से अधिक देशों में 800 से अधिक स्थानों/परिसरों में आयोजित किए गए। वैश्विक यू ओएफ एन प्रणाली में सैकड़ों-हजारों छात्र पंजीकृत हैं। वे सभी शिष्यत्व प्रशिक्षण स्कूल (डीटीएस) से शुरू होते हैं, जो अन्य सभी यू ओफ एन स्कूल में प्रवेश के लिए द्वार हैं और वाई डब्ल्यू ए एम स्टाफ बनने के लिए भी।

## बाइबल की कमी को समाप्त करना और हर मातृभाषा में बाइबल का अनुवाद करना

1960 के दशक से, लॉरेन ने पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए बाइबिल को सुलभ बनाने के लिए कई अन्य वैश्विक अगुवों के साथ मिलकर काम किया है, जिससे दुनिया भर में बाइबिल की कमी समाप्त हो गई है। जहाँ भी परमेश्वर का वचन जाता है, परमेश्वर की आत्मा परिवर्तन लाती है ! उन्होंने इस उद्देश्य में अपनी साझेदारी को आमंत्रित करने के लिए सुसमाचार प्रचार , करिश्माई और पेंटेकोस्टल संप्रदायों के सैकड़ों प्रभावशाली अगुवों और सबसे पुरानी मसीही परंपराओं का नेतृत्व करने वालों से मुलाकात की।

उनके जीवन के अंतिम वर्ष में यह जुनून और भी मज़बूत हो गया कि पृथ्वी पर 8000+ मातृभाषाओं में से प्रत्येक में बाइबल का मौखिक अनुवाद उपलब्ध हो (PrayOMT.com)। किसी व्यक्ति की मातृभाषा वह भाषा होती है जो सीधे उनके दिल तक बात करती है, जो इसे बहुत महत्वपूर्ण बनाती है। लक्ष्य यीशु की प्रार्थना को पूरा करना है कि परमेश्वर की इच्छा "पृथ्वी पर जैसी स्वर्ग में पूरी होती है" (मैथ्यू 6:10)। और स्वर्ग में क्या किया जा रहा है? प्रकाशितवाक्य 7:9 के अनुसार, "हर राष्ट्र, कुल, लोग और **भाषा में** से सिंहासन और मेम्ने के सामने एक ऐसी बड़ी भीड़ खड़ी है जिसे कोई गिन नहीं सकता।"

अपने अंतिम दिनों में, हालांकि उनका शरीर कैंसर से ग्रस्त था, परमेश्वर ने लोरेन को शक्ति दी कि वह हर महाद्वीप पर हजारों लोगों के साथ "ज़ूम मीटिंग"अपने इस जुनून को साँझा कर सके। जिस तरह उन्होंने लोगों को दिखाया कि यीशु के लिए "पूर्ण रूप से" कैसे जीना है, उन्होंने यह भी बताया कि परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक के सामने जो दौड़ निर्धारित की है उसे ईमानदारी से कैसे पूरा किया जाए। ये अगली पीढ़ी को शिक्षा देने और उसके लिए प्रार्थना करने के अनमोल दिन थे, जिन्होंने जोरदार जवाब दिया "हाँ - हम स्वीकार करते हैं और इस बुलाहट को पूरा करेंगे।"

यूथ विद ए मिशन का, यूनिवर्सिटी ऑफ द नेशंस का  और YWAM के जहाज़ों का भविष्य अच्छे हाथों में है! YWAM में अगुवों और स्वयंसेवकों की सबसे बड़ी संख्या युवा है। वे आने वाले 60+ वर्षों के लिए YWAM को परमेश्वर की हर उपलब्धि तक ले जाने के लिए आश्वस्त, समर्पित और प्रतिबद्ध हैं।

## लोरेन की पृष्ठभूमि (LorenCunningham.com)

टैफ़्ट, कैलिफ़ोर्निया में जन्मे लोरेन की पारिवारिक विरासत मसीही सेवकों की पीढ़ियों से समृद्ध थी। उन्होंने 1963 में डार्लीन स्क्रैच से शादी की, जिनके पास समान रूप से समृद्ध मसीह सेवकाई की पृष्ठभूमि और पूरक नेतृत्व कॉल थी, और उस बिंदु से, उन्होंने एक साथ YWAM का नेतृत्व किया। वह प्रेरितिक दूरदर्शी थे, और वह लोग/समूहों का विकास और कार्यान्वयनकर्ता थे।
लॉरेन की शैक्षिक पृष्ठभूमि में तीन स्नातक डिग्री, शिक्षा प्रशासन में मास्टर ऑफ साइंस और तीन मानद डॉक्टरेट शामिल हैं। उन्होंने छह पुस्तकें लिखीं:? Is that Really You, God ?  ( क्या तू सच में है,  परमेश्वर ?  )  (140 से अधिक भाषाओं में अनुवादित ), Making Jesus Lord, ( येशु को प्रभु बनाना )  Daring to Live on the Edge,( किनारे पर रहने का साहस ) Why Not Women?, ( महिलायें क्यों नही ?) The Book that Transforms Nations- ( वह पुस्तक जो राष्ट्रों को बदल देती है ) —किसी भी देश को बदलने के लिए बाइबिल की शक्ति, हम बाइबिल की कमी को समाप्त कर सकते हैं अब और कोई सीमाएँ नहीं.

लॉरेन के परिवार में अब उनकी उनकी प्रिय पत्नी,  डार्लीन जॉय स्क्रैच-कनिंघम हैं; उनकी बेटी, करेन जॉय कनिंघम; उनके बेटे, डेविड लॉरेन कनिंघम (जूडिथ फिट्स-कनिंघम); और तीन पोते, मैडिसन ग्रेस, केना फेथ और लियाम रीड।

-डॉन गॉसलिन द्वारा, डार्लिन कनिंघम के अंतर्राष्ट्रीय सहायक। तस्वीर का श्रेय: सुज़ैन चाइल्ड डॉन गॉसलिन